

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
27.04.2016 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 493

यूरेनियम भंडार

493. श्री कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल:
श्री ए. टी. नाना पाटील:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार ने नए यूरेनियम भंडारों की खोज के लिए तथा यूरेनियम आधारित विद्युत उत्पादन प्रौद्योगिकी के उन्नयन हेतु कोई विशेष कार्य योजना तैयार की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ख) क्या 'मेक-इन इंडिया' में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन को शामिल किया गया है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क) जी, हाँ । सरकार ने, देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक यूरेनियम सहित खनिज भंडारों की पहचान तथा उनका मूल्यांकन करने संबंधी अधिदेश के साथ, नए यूरेनियम निक्षेपों की खोज करने के लिए, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) की अन्वेषण एवं अनुसंधान क्षमता का उन्नयन करने के लिए एक कार्य-योजना तैयार की है। सरकार ने, यूरेनियम सहित परमाणु खनिज संसाधनों में वृद्धि के लिए XAवीं योजनावधि (वर्ष 2012-2017) के दौरान 831.48 करोड़ रुपए की लागत वाली नई परियोजनाएं संरूपित की हैं। क्षमता वृद्धि में (i) विभागीय रिगों द्वारा ड्रिलिंग मीटरज (ii) वायुवाहित (हेलीबोर्न) एवं जमीनी भू-भौतिकीय सर्वेक्षण, तथा (iii) आधुनिकतम उपकरणों/उपस्करों की मदद से विश्लेषणात्मक सहायता का वर्धन शामिल है । इससे परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) को, XAवीं योजनावधि (दिनांक 29.02.2016 की स्थिति के अनुसार) के दौरान देश के यूरेनियम भंडार का संवर्धन 60,164 टन U₃O₈ तक करने में मदद मिली है ।

परमाणु ऊर्जा विभाग के पास यूरेनियम आधारित नाभिकीय विद्युत का उत्पादन करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी उपलब्ध है। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल), को देश में आंतरिक रूप से उपलब्ध यूरेनियम संसाधनों का उपयोग करके नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों के माध्यम से विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

2400 मेगावाट की कुल संस्थापित क्षमता वाले आठ (8) रिएक्टर यथा, तारापुर, महाराष्ट्र स्थित टीएपीएस-3 तथा 4; चेन्नै के निकट एमएपीएस-1 तथा 2; एवं कैगा, कर्नाटक स्थित केजीएस-1 से 4 में स्वदेशी ईंधन को काम में लाया जाता है। वर्तमान में, इन्हें ईंधन की उपलब्धता के अनुरूप, इनकी निर्धारित विद्युत क्षमता के आस-पास के स्तर तक प्रचालित किया जा रहा है।

- (ख) पीएचडब्ल्यूआर के माध्यम से विद्युत का उत्पादन, वर्ष 1970 से परमाणु ऊर्जा विभाग के सफल प्रयासों में से एक रहा है। यह देश के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में अपना योगदान देना जारी रखेगा। स्वदेशी यूरेनियम का उपयोग करने वाले ऊपर उल्लिखित आठ रिएक्टर, 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन को दर्शाते हैं।
